भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

20.11.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 602 का उत्तर

स्टेशनों पर सौर-पैनल लगाना

602. श्रीमती मेनका संजय गांधी:
सुश्री दिया कुमारीः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में जोन-वार सौर ऊर्जा पर कार्य कर रहे स्टेशनों की संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार का विचार अन्य स्टेशनों पर भी समान सौर-ऊर्जा पैनलों को लगाने का है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी जोन-वार ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या उपाय किए जा रहे हैं; और

(ङ) क्या सरकार रेलवे स्टेशनों/ट्रेनों पर सौर पैनलों को लगाने हेतु निजी भागीदारों को आमंत्रित करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ङ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

स्टेशनों पर सौर-पैनल लगाने के संबंध में दिनांक 20.11.2019 को लोक सभा में श्रीमती मेनका संजय गांधी एवं सुश्री दिया कुमारी के अतारांकित प्रश्न सं. 602 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क): अब तक, 835 रेलवे स्टेशनों सहित, विभिन्न रेलवे इमारतों की छतों पर 95.67 मेगा वाट (एमडब्ल्यू) सौर ऊर्जा को संस्थापित कर दिया गया है। इन रेलवे स्टेशनों का ज़ोन-वार विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	क्षेत्रीय रेलवे	स्टेशनों की संख्या जहां सौर पैनल लगाए गए
1	मध्य रेलवे	21
2	पूर्व रेलवे	39
3	पूर्व मध्य रेलवे	105
4	पूर्व तट रेलवे	14
5	उत्तर मध्य रेलवे	32
6	पूर्वोत्तर रेलवे	71
7	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे	42
8	उत्तर रेलवे	51
9	उत्तर पश्चिम रेलवे	104
10	दक्षिण मध्य रेलवे	49
11	दक्षिण पूर्व रेलवे	13
12	दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे	15
13	दक्षिण रेलवे	52
14	दक्षिण पश्चिम रेलवे	132
15	पश्चिम मध्य रेलवे	23
16	पश्चिम रेलवे	69
17	मेट्रो	3
	कुल	835

(ख) से (घ): जी हां। भारतीय रेल की अन्य स्टेशनों पर सौर ऊर्जा पैनलों को संस्थापित करने की योजना है जो साइट की उपलब्धता तथा व्यवहार्यता पर निर्भर करता है। अब तक, रेलवे ऊर्जा प्रबंधन कंपनी लिमिटेड (आरईएमसीएल) द्वारा 248.46 मेगा वाट क्षमता के लिए निविदाएं प्रदान की जा चुकी हैं और ये निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। इसमें रेलवे स्टेशनों

के प्लेटफॉर्म शेल्टर और विभिन्न अन्य रेलवे इमारतों की छतें शामिल होंगी। आरईएमसीएल द्वारा प्रदत्त सोलर रूफटॉप परियोजनाओं का ज़ोन-वार विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	क्षेत्रीय रेलवे/उत्पादन इकाइयां	छतों पर प्रदत्त सौर ऊर्जा क्षमता (मेगा वाट में)
1	चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना	7.64
2	मध्य रेलवे	20.85
3	डीज़ल रेलइंजन कारखाना	6.83
4	पूर्व रेलवे	19.79
5	पूर्व तट रेलवे	14.83
6	पूर्व मध्य रेलवे	12.65
7	सवारी डिब्बा कारखाना	2
8	मेट्रो कोलकाता	5.54
9	उत्तर मध्य रेलवे	10
10	उत्तर पश्चिम रेलवे	11.68
11	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे	1.88
12	उत्तर रेलवे	23.63
13	पूर्वोत्तर रेलवे	13.92
14	अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन	1.08

15	रेल डिब्बा कारखाना	0.9
16	दक्षिण रेलवे	10.69
17	दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे	4.38
18	दक्षिण पूर्व रेलवे	24.94
19	दक्षिण मध्य रेलवे	33.14
20	दक्षिण पश्चिम रेलवे	2.46
21	पश्चिम मध्य रेलवे	9.63
22	पश्चिम रेलवे	10
	कुल	248.46

(ङ): भारतीय रेल की 2021-22 तक छतों पर 500 मेगा वाट क्षमता वाले सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की योजना है। इस कार्य का अधिकांश भाग निजी भागीदारों द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) पद्धति (डेवलपर पद्धति) द्वारा किया जा रहा है, जिसमें रेलों को पूंजीगत व्यय करने की आवश्यकता नहीं होती। निजी भागीदारों द्वारा गाड़ियों पर सौर पैनलों की व्यवस्था करने का कार्य भी किया जा रहा है।

****